सीबीएसई कक्षा-10 हिंदी ब

टेस्ट पेपर-02

पाठ-12 तताँरा-वामीरो कथा (लीलाधर मंडलोई)

निर्देश -

1. **सभी प्रश्न अनिवार्य है।**
2. **प्रश्न 1 से 3 एक अंक के है।**
3. **प्रश्न 4 से 8 दो अंक के है।**
4. **प्रश्न 9 से 10 पांच अंक के है।**

---

1. तताँरा ने वामीरो से क्या याचना की?
2. क्रोध में तताँरा ने क्या किया?
3. तताँरा और वामीरो किस-किस गाँव के थे?
4. तताँरा वामीरो की त्यागमयी मृत्यु से निकोबार में क्या परिवर्तन आया?
5. निम्नलिखित का आशय स्पष्ट कीजिए: 'बस आस की एक किरण थी जो समुद्र की देह पर डूबती किरणों की तरह कभी भी डूब सकती थी।'
6. तताँरा और वामीरो का संबंध संभव क्यों नहीं था ?
7. वामीरो की माँ क्रोधित क्यों थी ?
8. तताँरा का मन पशु–पर्व के दूसरे कार्यक्रमों में क्यों नहीं था ?
9. 'रूढ़ियाँ जब बंधन बन बोझ बनने लगें तब उनका टूट जाना ही अच्छा है।'- क्यों? स्पष्ट कीजिए।
10. वामीरो की मनोदशा का चित्रण कीजिए ।

सीबीएसई कक्षा-10 हिंदी ब

टेस्ट पेपर-02

पाठ-12 तताँरा-वामीरो कथा (लीलाधर मंडलोई)

(आदर्श उत्तर)

1. तताँरा ने वामीरो से रोज वहाँ पर आने की याचना की।
2. क्रोध में तताँरा ने अपनी तलवार पूरी ताकत से जमीन में घुसेड़ दी। उसके बाद उसने उस द्वीप को दो टुकड़ों में चीर दिया।
3. तताँरा पासा गाँव का था तथा वामीरो लपाती गाँव की थी?
4. तताँरा वामीरो की त्यागमयी मृत्यु से निकोबार के लोगों ने अपनी कठोर नीति को तोड़ दिया। इस घटना के बाद से लोग दूसरे गाँवों में भी वैवाहिक संबंघ रखने लगे।
5. तताँरा जब वामीरो का इंतजार कर रहा था तो उसे लग रहा था कि उसका इंतजार विफल जाएगा। हाँ, उसके पास उम्मीद की एक किरण बाकी थी और उसे लग रहा था कि वामीरो उससे मिलने आएगी ।
6. तताँरा और वामीरो का सम्बन्ध इसलिये संभव नहीं था क्योंकि दोनों अलग-अलग गाँव के थे ।परंपरा और रीति-रिवाजों के अनुसार दोनों को एक ही गाँव का होना आवश्यक था ।
7. वामीरो की माँ क्रोध में इसलिए थी क्योंकि उसकी बेटी गाँव वालों के सामने दूसरे गाँव के युवक से न केवल मिल रही थी,अपितु उसके सामने ज़ोर-ज़ोर से रो भी रही थी।उसकी पुत्री का यह कार्य पूरे गाँव में उसका अपमान करवा रहा था ।
8. तताँरा वामीरो से मिलने के लिए बेचैन था ।वह वामीरो की प्रतीक्षा कर रहा था इसलिए उसका मन पशु-पर्व के कार्यक्रमों में नहीं था ।
9. यह बात बिलकुल सही है कि रूढ़ियाँ जब बोझ बनने लगें तो उनका टूट जाना ही अच्छा है। कोई भी नियम एक अनूठे सामाजिक परिवेश की देन होता है। समय के साथ चीजें बदल जाती हैं। लोगों की मानसिकता और सामाजिक ढांचा परिवर्तनशील होता है। जो बात एक खास समय में उचित लगती है, वही बात बदले हुए परिवेश में व्यावहारिक तौर पर अपनी सार्थकता खो देती है। ऐसे में वो बात हमारे लिए बोझ बन जाती है। इसलिए उचित अवसर पर पुरानी प्रणाली को तोड़ना ही अच्छा होता है।
10. वामीरो की मनोदशा थोड़ी जटिल है क्योंकि एक ओर जहाँ वह दूसरे गाँव के युवक तताँरा से प्रेम करती है,तो दूसरी ओर अपने गाँव की मर्यादा रूपी तलवार उसके ह्रदय पर खिंची हुई थी ।यही कारण था कि वह असमंजस की स्थिति में रहती है और किसी अन्य कार्य में उसका मन नहीं लगता है । वह ऊपर से कठोरता व शुष्कता दिखाती है , किन्तु भावनात्मक स्तर पर तताँरा के प्रेम में वह पूरी तरह भीग चुकी है ।